ISSN-3048-9296 (Online)

शोधामृत

कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान की सहकर्मी समीक्षित अर्धवार्षिक मूल्यांकित शोध पत्रिका

Online ISSN-3048-9296
Vol.-1; issue-2 (July-dec.) 2024
Page No.-30-33

©2024 Shodhaamrit (Online)

www.Shodhamrit.gyanvividha.com

f ा ब्क्मा

क्त्त्व्रध आक कुध आत्ताागआ
यब्गु क्त्यर्गआत्त्रक्त्र का ग्र आ
ँ प्ग्रा का कर्मा ग्राक्ट

Corresponding Author :

f ा ब्क्मा

क्त्त्व्रध आक कुध आत्ताागआ
यब्गु क्त्यर्गआत्त्रक्त्र का ग्र आ
ँ प्ग्रा का कर्मा ग्राक्ट

व मा प्रशंप्रक म ा ाf ा: म प्रा

मम ा आ ह ग ट्ट्ढ़का अद्गह ब्रा ज़ाकाट्गकाग्रस्रायक्त ध क्क्रस्राअप ट्ढ़काक्ष स्ट्ढ़ग्आ ध त्त्वक्द्ग्र अप अाट्ट्त्तरास् क्त्टआाागअक्षा का ग्ढ़ अयाग्द्ग्द़ ञ्च पम्रा आस्आ ग़क्अाध ग्रकाम्स्रआप ट्ढ़क्षस्ट्ढ़अस्- क्त्टआाग्रज़ाकाक्षकाका कक्षआाअाग्‍ु आ क्ष का ग्ढ़आग्द्ग्द़अाज़ाकार्ट कार्आ आकाम ह आ ध ग्रकाम्स्रआप्गह ब्रढ़क्षस्ट्ढ़ा एस- क्त्टआाअक्ष का ग्ढ़आर्ट काआआ कआयाक्ष। ग्रआ आपेभि ढ़गम अप्आ आ। क्वढ़कासस्कट्ट्द्रकट्ट्ध अद्ग्फ़्चढ़ आ गप्रप्स्राह आ गस्घब्राअट्टॅ ि्ाठ ग़आपाठ्रा द्ग्ह ढ़आखाभ्रा का ग्ढ़आकूक्षग्राअर्ट काअाकाप्राज़ाकाआम ह अाध ग्रकाम्स्रअग्ह ब्रा ढ़क्षा त्त्वक्द्ग्र अप अस्ट्ट्त्तरास्स्- क्त्टआापेभि ढ़गम अप आ क्वढ़कासह ढ़आ ध ग्रकाम्स्रअयक्त्काआकूक्षग्राअार्ट कयध अस ट्ट्द्रअ अप प्स्राज़ाकाआस्आ त्र का त्त्वअयाक्ष। ग्रआ कूक्षग्राअर्ट काआ द्र कास कुआध अर्ा यप्प्राहपिअाम्स्राअा र्ट काअआअयाक्ष। ग्रअस्ट्ठा ड्कृस्सट्टअताज़ाप्स्राह अा ज़ाकाग्रा । क्व अस्स्वक्ट्टत्तअा त्त्वअयक्त्ध काम्रायग्द्ग्अग्ह ढ़अग्ह ब्रा अग्भ ढ़कृ मीआ ाव ढ़क्षा पर्मा त्र क्षकाम्स्राअा ॅ ब्राकाई मित्र आस-ट्टक्षगम्रस्- ट्टध ज़ाकअाई ग़आभाआए स्- क्त्टआाए ढ़क्षा क्ष का ग्ढ़आकूक्षग्राअर्ट काअआआ कआयाक्ष। ग्रआ काम ह अप ग्रकाम्स्रआ

व ा ाअाहॅ। ग्रअा त्र क्षअर्ट का अाप्ग्राह आर्क अायग्द्ग्ढ़ अार्क यधआ यग्द्ग्ढ़अाभ्रा

म म आ ह ग ट्ट्ढ़का अद्गह ब्रा ताग्ग्रस्रायक्त अप्ठेआड्ा’ आयक्त ध क्क्रआ त्तअा ह ग ट्ट्ढ़का अद्गह ब्रा ठिभगिअा अ्क्कूकम्सा ठम्राताग्रुभढ़का कृअत्ताअप ढ़क्षा ड्स्ट्ढ़अस्- काटमाज़ाकाग्रा त्तअ्ग्रीआर्क अाज़ाकाक अायग्द्ग्ढ़अा पम्रा आस्आ ग़क्अाध ग्रकाम्स्रअ्गह ब्राँ ॅ वा गभा क्षा काम्राठा अायक्त ध क्क्रस्राअग्ह ब्रा यँ आक अायग्द्ग्ढ़आ प्क्षस्ट्ढ़ग्अप ज़ाकाप्रा काई ड्कृँआढ़क्षाम्स्राअ्रा अद्ध आ। क्वकाागभाकयाआर्क अायग्द्ग्ढ़अकाम्रास-यक्ष्गम्रस्राअट्ढ़ध अप। अप्रा ब्रा ग्भा क अायग्द्ग्ढ़आठअाज़ाकाअस्ट्ठा ड्कृस्क्षम्रस्राअायाक्ष। ग्रआ कूक्षग्राअर्ट काआ द्र कास कुआध अर्ा यप्प्राहपिअाम्स्राअर्ट काअआअयाक्ष। ग्रअस्ट्ठा ड्कृस्सट्टआ ताज़ाप्स्राह अा ज़ाकाग्रा । क्व अस्स्वक्ट्टत्तअास्रायक्त्ध काम्रायग्द्ग्अग्ह ढ़अग्ह ब्रा आ ट्टभ ढ़कृ मीआ ाव ढ़क्षा पर्मा त्र क्षकाम्स्राआ क्ष ि क्षकाम्राठाँ काआ गभा कूक्षग्रआ र्ट काअह आ ेआ ट्टअप अप्रपआाँ पिकाई अाम्राअप त्तअ्प ग्रक्षकाप्त त्तआ यक्षेआ ट्टअाह अप्ठा ड्कृस्सट्टआाप्रा तअ्ा ज़ाध अद्स- क्षकाम्रआप कृह अाम्राअा ई भकृ द्रभकृ अप आ क्षकाप्रापआ कृह आाव गभ्रापअा स्क्त्टआाध ट्टकाम्राअा मप्रार्ग प्गाँभाकअाआप स्क्त्टआाअा त्त्वकाम्राअा अ्रपअह अप्रपअ्ठम्प प्ा आ

ध काम्द्रट्टप्ुआ ट्टआाप्राह अा ट्टकाम्राअा आ

' त्तक्र क ह 4आक ह अ्ना प्प अप्नथअ्तजअ्य क्षाई आई अ्तकआ कव्व4 तक्सिय द्रअ्ण आव्वा ग्भ्अ्ग्र क्याथ द्रअ्वट र क्षअ्तज्ञ प्पआ र्त्क क्र्अ्यक्षअ्य प्प4अ्य विक्ल्अ्आक ह 4 आ

एस- कथ क्रअ्ह्र अ्ह्रअ्ह र-ढ़अ्स- कठ्अस-द्रक्षग्अ्स द्रध ड़ाकर्अ्आअ्यक्ष आक्र्अ्यक्ष । ग्रअ्य आग्द्र क्रअ्य प्प्अ्स्पढ़अ्यठआ त्र अह्क अ्मि अ्य कार्ई वह अ्य द्रक्षअ्तअ्यत्त्अ्सि क्रअ्यठअ्वट ग्भ्अ्प्प अ्यक्ष । ग्रअ्य आग्द्र क्रअ्य प्प्अ्सफ्थ द्रआध क्षआर-अ्आआ ढ़क अ्मि ढ़अ्य द्रक्षअ्तअ्आकअ्आध क्रअ्य ड़ाक क्रअ्ह्र अ्ह्रअ्आक छअ्ध आध क्षअ्यठअ्आक्र्अ्ज्ञ प्प अ्आआध क्षअ्ज्ञ क्रअ्य अ्आकअ्य त्तअ्आ तअ्आ

I अ्स- कथ क्रअ्आ ह ग द्रढ़कअ्ह्र अ्ह्रअ्ह र-ढ़अ्यक्त अ्आअ्य क्र ग्रढ़अ्वट कअ्य कअ्य ड़ाकअ्म ह अ्य द्रढ़अ्यठअ्त्र आ । क्र्अ्क्षग्र अ्वट कअ्य अद्र द्रड़ अ्स द्र क्षग्र अ्य कअ्म ह अ्य ग्रकअ्तअ्सत ढ़अ्या क्र ग्रढ़अ्वट कअ्य कअ्यग्द्र अ्ह 'ढ़अ्य द्रढ़अ्यठआ त्र अ्यक छअ्ध अ्ग्राक्ष द्रद्रक अ्सद्र-द्रकअ्आ अ्य द्रअ्वट कअ्य अ्यद्रगक्षग्र अ्य कअ्मअ्ह 'ढ़अ्य ग्रकअ्तअ्सयक्ष क्र्ह अ्आअ्यक्ष । ग्रअ्य आक्रढ़कअ्गअ्सढ़ध अ्म ढ़क अ्आअ्त ढ़अ्य प्अ्सा त्र क्षग्अ्तअ्स ढ़अ्सर-ढ़ग्अ्म ढ़क अ्आआक्र्अ्क्षग्र अ्वट कअ्य कअ्र यप्र्आ ड़पि अ्यक्ष । ग्रअ्य कअ्ह 'ढ़अ्य ग्रकअ्तअ्सढ़धअ्स- कर्अ्स ब्र कअ्स मित्र अ्स-द्रक्षग्अ्स द्रध ड़ाकआध क्षढ़अ्सद्रकअ्स ग्अ्यक्षअ्यठआ ढ़क अ्सद्र अ्तढ़क अ्स प्प्अह अ्स क्र क्रअ्य कअ्यग्द्र आ द्रअ्स ड़ाकअ्ह 'ढ़अ्सा त्र क्षकअ्तअ्स-द्रक्षग्अ्स द्रध ड़ाकर्अ्आअ्यक्षठ आक्र्अ्स पत्र कँ अ्य कँअ्आकअ्स पक द्रआक्षगध क ध आर-अ्यअ्वट क अ्आआ कअ्सई मकअ्य प्प्अ्ग्रअ्य द्रआध क्षकअ्स कर-क्षअ्य द्रढ़अ्य कअ्तअ्आ ग्रकअ्तअ्सक अ्सित्र ग्अ्य आ कढ़कअ्सक्र्अ्यठअ्वट ग्भ्अ्प्प अ्य प्प्आध क्षअ्य द्रक्षअ्तअ्सकध अ्र्द्र अ्स र-कअ्यआग्र । क्र्आ । ब्र क द्रआध अ्यज आध क्षअ्सड़ाकअ्आक अ्यक्र्तअ्यठअ्आ

आ

क्ट । अ्यग्अ्आ

1. ह ग द्रढ़कअ्ह्र अ्य कअ्स- कअ्यक्त अ्आध अद्र ब्रह क ध अ्स ग्रढ़ अ्स्गद्र अ्स द्रअ्सित्र अ्सछआ आ
2. द्रह अ्म ढ़क्र त्र ग्भआआक्र्अ्क्षअ्आक क्र द्र कर्इ अ्र्सध त्र आध क्र ढ़अ्सग्भ्आ ग्अ्ज्ञग्अ्स द्रछ आआ अ्सअ्आ आ
3. अ्तअ्सअ्आ अ्आ
4. अ्तअ्सअ्आ आ
5. अ्तअ्सअ्आ अ्आ
6. अ्तअ्सअ्आ अ्आ
7. अ्तअ्सअ्आ आ
8. अ्ह अ्म ढ़क्र त्र ग्भआआक्र्अ्क्षअ्आक क्र द्र कर्इ अ्र्सध त्र आध क्र ढ़अ्सग्भ्आ ग्अ्ज्ञग्अ्स द्रछ आआ अ्सअ्आ अ्आ
9. अ्तअ्सअ्आ आ
10. अ्तअ्सअ्आ आ
11. अ्तअ्सअ्आ अ्आ

....